PCSMANTRA.COM

जलवायु जोखिम सूचकांक 2027: भारत की रैंक और पद्धति को सही तरह पढ़ें

समाचार: 2026-11-17 | अध्ययन: 18 नवंबर 2026 प्रिलिम्स



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

चर्चा में क्यों?

Germanwatch ने 17 नवंबर 2026 को COP31 के दौरान Climate Risk Index 2027 प्रस्तुत किया। यह मौसम-संबंधी चरम घटनाओं से हो चुके मानवीय और आर्थिक प्रभावों का पीछे मुड़कर आकलन करता है। भारत 1996-2025 की दीर्घकालीन सूची में 10वें और वर्ष 2025 की सूची में 12वें स्थान पर है। कम रैंक संख्या अधिक प्रभावित होने को दर्शाती है।

छह संकेतक और उनका भार

सूचकांक में छह संकेतक हैं: मौतों की कुल संख्या और प्रति एक लाख आबादी पर मौतें; प्रभावित लोगों की कुल संख्या और प्रति एक लाख आबादी पर प्रभावित लोग; आर्थिक नुकसान का निरपेक्ष मान और GDP के अनुपात में नुकसान। निरपेक्ष आर्थिक नुकसान के संकेतक में purchasing power parity का उपयोग होता है। सापेक्ष संकेतकों को औसत रैंकिंग में दोगुना भार दिया गया है।

भारत के दर्ज ऐतिहासिक प्रभाव

रिपोर्ट के अनुसार 1996-2025 में भारत में 436 चरम मौसम घटनाएं दर्ज हुईं। इनमें 78,000 से अधिक मौतें और 170 अरब डॉलर से अधिक मुद्रास्फीति-समायोजित आर्थिक नुकसान दर्ज है। इन्हें रिपोर्ट में दर्ज ऐतिहासिक प्रभाव कहें, भविष्य की निश्चित क्षति नहीं।

कुल और सापेक्ष प्रभाव

दीर्घकालीन सूची में डोमिनिका, म्यांमार और होंडुरास सबसे अधिक प्रभावित देशों में हैं। भारत जैसी बड़ी आबादी वाले देश के लिए कुल नुकसान और प्रति-व्यक्ति प्रभाव दोनों पढ़ना जरूरी है। आंकड़ों की उपलब्धता, विशेषकर गर्मी से हुई मौतों की कम रिपोर्टिंग, तुलना को प्रभावित कर सकती है।

उपयोग और सीमाएं

यह सूचकांक अनुकूलन, आपदा-तैयारी और नुकसान-क्षति वित्त की जरूरत समझाने में उपयोगी है। लेकिन इसे अकेले भविष्य की जोखिम-योजना का आधार नहीं बनाया जाना चाहिए। यह उत्सर्जन घटाने के प्रदर्शन की रैंकिंग भी नहीं है; इसे CCPI से अलग रखें।

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1

CRI 2027 के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह ऐतिहासिक चरम मौसम प्रभावों का आकलन करता है।

2. प्रभावित लोगों की निरपेक्ष और सापेक्ष संख्या इसके संकेतक हैं।

3. यह भविष्य के नुकसान की निश्चित भविष्यवाणी है।

उपर्युक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

▼ उत्तर और व्याख्या

सही उत्तर: (a)

1 सही: सूचकांक पीछे मुड़कर दर्ज प्रभाव पढ़ता है।

2 सही: प्रभावित लोगों के दोनों माप छह संकेतकों में शामिल हैं।

3 गलत: ऐतिहासिक प्रभाव निश्चित भविष्यवाणी नहीं हैं।

PCSMANTRA.COM

प्रश्न 2

CRI 2027 में भारत की 2025 तथा 1996-2025 की रैंक क्रमशः क्या है?

(a) 10 और 12

(b) 12 और 10

(c) 12 और 12

(d) 10 और 10

▼ उत्तर और व्याख्या

सही उत्तर: (b)

2025 की वार्षिक रैंक 12 और 1996-2025 की दीर्घकालीन रैंक 10 है।

प्रश्न 3

CRI की पद्धति के बारे में विचार कीजिए:

1. कुल छह संकेतक हैं।

2. सापेक्ष संकेतकों को औसत रैंकिंग में दोगुना भार मिलता है।

कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न 1, न 2

▼ **उत्तर और व्याख्या**

सही उत्तर: (c)

1 सही: मौतें, प्रभावित लोग और आर्थिक नुकसान के निरपेक्ष-सापेक्ष माप छह संकेतक बनाते हैं।

2 सही: रिपोर्ट की पद्धति सापेक्ष संकेतकों को दोगुना भार देती है।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ)

CRI 2027 कौन प्रकाशित करता है?

Germanwatch, जिसने इसे 17 नवंबर 2026 को COP31 में प्रस्तुत किया।

भारत की वार्षिक और दीर्घकालीन रैंक क्या है?

2025 के लिए 12वीं और 1996-2025 के लिए 10वीं। कम रैंक संख्या अधिक दर्ज प्रभाव दर्शाती है।

PCSMANTRA.COM

पद्धति में कितने संकेतक हैं?

छह: मौतें, प्रभावित लोग और आर्थिक नुकसान, प्रत्येक के निरपेक्ष तथा सापेक्ष माप।

क्या CRI भविष्य का पूर्वानुमान या CCPI है?

नहीं। यह ऐतिहासिक चरम मौसम प्रभावों का आकलन है। CCPI जलवायु प्रदर्शन से संबंधित अलग सूचकांक है।

स्रोत

- https://www.germanwatch.org/en/93614
- https://www.germanwatch.org/en/93639
- https://www.germanwatch.org/sites/default/files/2026-11/CRI-2027-Full%20Report-English%20(6MB).pdf